अनुवाद

रिजवान 2023

विश्व के बहाइयों को संबोधित

परम प्रिय मित्रों,

हम एक ऐसे समुदाय को संबोधित करते हुए अत्यंत आनंद अनुभव कर रहे हैं जिसकी उच्च मनोवृत्ति और उच्च संकल्प इसके उच्च आह्वान के अनुकूल हैं। कितना महान, अत्यंत ही महान है आपके लिए हमारा प्रेम, और कैसे हमारी भावनाएं ऊंची उड़ान भरने लगती हैं, जब हम बहाउल्लाह की शिक्षाओं पर आधारित जीवन जीने और उनके प्रकटीकरण के जीवनदायी जल को एक गंभीर रूप से प्यासे विश्व को प्रदान करने के आपके ईमानदार एवं समर्पित प्रयास को देखते हैं। आपके उद्देश्य की प्रबल भावना स्पष्ट है। प्रसार एवं सुगठन, सामाजिक क्रिया, और समाज के संवादों में भागीदारी तेजी से आगे बढ़ रही है, और समुदाय-समूहों के स्तर पर इन उपक्रमों की स्वाभाविक सुसंगतता सतत अधिक स्पष्ट होती जा रही है। यह उन स्थानों से अधिक कहीं और स्पष्ट नहीं है जहां बढ़ती संख्या में लोग प्रयासों की एक श्रृंखला में संलग्न हो रहे हैं, जिनमें से प्रत्येक प्रभुधर्म की समाज-निर्माण शक्ति को निर्मुक्त करने का एक साधन है।

इन बारह महीनों में, जो नौ वर्षीय योजना के आरंभ से अब तक बीत चुके हैं, हमें यह देखकर प्रसन्नता हुई है कि किस प्रकार इस वैश्विक आध्यात्मिक उद्यम ने मित्रों को प्रेरित किया है एवं ऊर्जा से भर दिया है, और कार्य की विशिष्ट रूपरेखाओं को संवेग दिया है। तत्काल ध्यान केंद्रित किया गया है, उन योजनाओं को लागू करने पर, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि प्रत्येक देश और क्षेत्र में, कम से कम एक समुदाय-समूह उभरे जहां तीसरा मील का पत्थर पार कर लिया गया हो: ऐसा स्थान जहां बड़ी संख्या में लोग एक साथ काम कर रहे हैं और एक जीवंत समुदाय के जीवन में योगदान दे रहे हैं। यद्यपि, इसके प्रति सजग रहते हुए कि इस पच्चीस वर्ष की अवधि का लक्ष्य विश्व के हर समुदाय-समूह में सघन विकास कार्यक्रम स्थापित करना है, अनुयायियों ने प्रभुधर्म के लिए नए समुदाय-समूहों को खोलने के साथ-साथ मौजूदा विकास कार्यक्रम वाले स्थानों पर अपने प्रयासों को तेज करना भी तय किया है। विश्व के सभी भागों में पायनीयरों के लिए उभरते अवसरों के संबंध में जागरूकता बढ़ी है - अनेक समर्पित आत्माएं इस बात पर विचार कर रही हैं कि वे इस अवसर का प्रत्युत्तर कैसे दे सकती हैं, और अनेक अन्य लोग पहले ही पायनीयरिंग के स्थानों पर पहुँच गए हैं, अच्छी संख्या में होमफ्रंट पर, साथ ही बढ़ती संख्या में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी। यह उन अनेक तरीकों में से एक है जिसके द्वारा, जैसा कि हमने आशा की थी, हर जगह के मित्रों द्वारा

पारस्परिक समर्थन की भावना व्यक्त की जा रही है। जिन समुदायों में शक्ति का निर्माण हो गया है, वे अपने आप को एक अलग स्थान में - एक अन्य समुदाय-समूह, क्षेत्र, देश, यहां तक कि महाद्वीप में भी - हो रही प्रगति का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध कर चुके हैं; और रचनात्मक साधन दूर से प्रोत्साहन देने और अनुभव को प्रत्यक्ष साझा करने में सक्षम पाए गए हैं। इस बीच, एक समुदाय-समूह में अर्जित सीख को सँजोने के मूल विधि का व्यापक रूप से व्यवहार में लाया जाता है, ताकि यह वहाँ के और अन्य स्थानों के योजना निर्माण को सूचित कर सके। हम यह देखकर कृतार्थ हुए हैं कि यह सीखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है कि संस्थान द्वारा प्रदान किए जाने वाले शैक्षिक अनुभव की गुणवत्ता में कैसे वृद्धि की जाए। जब संस्थान प्रक्रिया एक समुदाय में जड़ें जमा लेती है, तो इसके प्रभाव नाटकीय होते हैं। गवाह हैं, उदाहरण के लिए, सघन गतिविधि के वे केंद्र, जहाँ के निवासी प्रशिक्षण संस्थान को अपने एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में मानने लगे हैं: एक ऐसा उपकरण जिसके सशक्त विकास की जिम्मेदारी उन्होंने प्रमुखता से संभाल ली है। यह अच्छी तरह जानते हुए कि प्रभुधर्म के द्वार सदैव पूर्णतया खुले रहते हैं, अनुयायी यह सीख रहे हैं कि जो लोग प्रवेश करने के लिए तैयार हैं उन्हें कैसे प्रोत्साहित किया जाए। ऐसी आत्माओं के साथ-साथ चलना, और उन्हें दहलीज पार करने में मदद करना, एक सौभाग्य और एक विशेष आनंद है, प्रत्येक सांस्कृतिक संदर्भ में पहचानने और अपनाने के इस प्रतिध्वनित क्षण की गतिशीलता के बारे में बहुत कुछ सीखा जाना है। और बस इतना ही नहीं है। जबकि अनेक समुदाय-समूहों में सामाजिक रूपांतरण में योगदान करने के प्रयास अपने प्रारम्भिक चरण में हैं, सदैव की भांति सलाहकारों द्वारा कुशलतापूर्वक समर्थित राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभाएं, इस संबंध में अधिक सीखने की सक्रिय कोशिश कर रही हैं कि ये प्रयास समुदाय-निर्माण प्रक्रिया से कैसे उभरते हैं। परिवारों के समूहों और समुदायों में लोगों के सामाजिक और भौतिक कल्याण के बारे में चर्चा को बढ़ावा दिया जाता है, साथ ही मित्र अपने नजदीकी परिवेश में अनावृत हो रहे सार्थक संवादों में सहभागिता के तरीके भी खोज रहे हैं।

जो कुछ भी हमने वर्णन किया है, उसके मध्य युवाओं के कार्य प्रदीप्त होते हैं। प्रभाव सौम्य हो या अन्यथा - प्रभाव के केवल निष्क्रिय अवशोषक होने से परे - उन्होंने स्वयं को योजना का निर्भीक और विचारशील नायक सिद्ध कर दिया है। जहाँ समुदाय ने उन्हें इस प्रकाश में देखा है और उनकी प्रगति के लिए परिस्थितियाँ बनाई हैं, वहाँ युवाओं ने उनमें दिखाए गए भरोसे को कहीं अधिक उचित ठहराया है। वे अपने मित्रों को प्रभुधर्म की शिक्षा दे रहे हैं और सेवा को अधिक सार्थक मित्रता का आधार बना रहे हैं। अक्सर, ऐसी सेवा अपने से छोटों को शिक्षित करने का रूप लेती है - उन्हें न केवल नैतिक और आध्यात्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि अक्सर उनकी स्कूली शिक्षा में भी सहायता करते हैं। संस्थान प्रक्रिया को मजबूत करने के पवित्र उत्तरदायित्व धारण किए, बहाई युवा हमारी सँजोई आशाओं को पूरा कर रहे हैं।

इन सभी प्रयासों के लिए परिस्थितियाँ एक गहन रूप से अस्थिर अवस्था में हैं। इस बात को व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है कि समाज की वर्तमान संरचनाएं मानवता की

समस्याओं का निराकरण करने हेतु तैयार नहीं है। बहुत कुछ जिसे व्यापक रूप से निश्चित और अडिग माना जाता था, उस पर प्रश्न उठाया जा रहा है, और परिणामी विक्षुब्धता सभी को एक करने वाली दृष्टि की लालसा पैदा कर रही है। एकता, समानता और न्याय के समर्थन में उठाई गई आवाजों का सामूहिक स्वर दर्शाता है कि कितने लोग अपने समाज के लिए इन आकांक्षाओं को साझा करते हैं। बेशक, आशीर्वादित सौंदर्य के अनुयायी के लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि उनके द्वारा प्रतिपादित आध्यात्मिक आदर्शों के लिए हृदयों को लालायित रहना चाहिए। तथापि हम इसे मर्मस्पर्शी पाते हैं कि, एक वर्ष में जब मानवता की सामूहिक प्रगति की संभावनाएं बिरले ही पहले कभी इतनी अधिक धुंधली दिखाई दी हों, दस हजार से अधिक सम्मेलनों में प्रभुधर्म का प्रकाश आश्चर्यजनक दीप्ति के साथ चमका जिसमें लगभग पंद्रह लाख लोगों ने भाग लिया, और उन्हीं आदर्शों को बढ़ावा देने के साधनों पर ध्यान केंद्रित किया। बहाउल्लाह की दृष्टि, और विश्व की बेहतरी हेतु एकता के साथ काम करने के लिए मानवजाति को उनका आवाहन, वह केंद्र था जिसके चारों ओर समाज के विविध तत्व उत्सुकता से एकत्र हुए - और कोई आश्चर्य नहीं, जैसा 'अब्दुल बहा' ने समझाया, "विश्व का हर समुदाय इन दिव्य शिक्षाओं में अपनी उच्चतम आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति पाता है।" मानवता के कुछ शुभचिंतक प्रारंभ में ध्रुवीकृत और लकवाग्रस्त विश्व से परे एक आश्रय पाने के लिए शरणस्थली के रूप में बहाई समुदाय के प्रति आकर्षित हो सकते हैं। तथापि, एक शरणस्थली से आगे, वे पाते हैं कि ये आत्माऐं कुटुम्ब की तरह एक साथ मिलकर विश्व के नवीन निर्माण के लिए श्रम कर रही हैं।

सम्मेलनों के भौगोलिक विस्तार के बारे में बहुत कुछ लिखा जा सकता है, नई योजना को उन्होंने जो असाधारण प्रोत्साहन दिया, अथवा इसमें सम्मिलित होने वालों के हृदय से प्रसन्नता और उत्साह की जो अभिव्यक्ति हुई। लेकिन इन कुछ पंक्तियों में हम ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं कि उन्होंने प्रभुधर्म के विकास के बारे में क्या महत्व दर्शाएँ हैं। वे उस बहाई समुदाय के प्रतिबिम्ब थे जो भेद नहीं, एक दूसरे को कुटुम्ब के रूप में देखता है। इस दृष्टिकोण ने सम्मेलनों में, जहाँ सभी का स्वागत था, नौ वर्षीय योजना का संधान करना स्वाभाविक बना दिया। मित्रों ने न केवल व्यक्तियों और परिवारों, बल्कि स्थानीय नेताओं और अधिकारियों की संगति में अपने समाज के लिए योजना के निहितार्थों पर विचार किया। इतने सारे लोगों को एक साथ एक स्थान पर लाने से विश्व भर में अनावृत हो रही आध्यात्मिक और सामाजिक प्रगति के बारे में एक रूपांतरकारी वार्तालाप के लिए परिस्थितियां उत्पन्न हुईं। एक समुदाय समूह में सामुदायिक विकास के एक विस्तारित होते पैटर्न के लिए इस तरह के खुले विचारों वाले, उत्थानकारी और उद्देश्यपूर्ण सम्मेलनों का विशेष योगदान हो सकता है, वह बहाई संस्थाओं के लिए भविष्य में ध्यान में रखने के लिए एक मूल्यवान सबक है।

और इस प्रकार निष्ठावानों की मंडली योजना के दूसरे वर्ष में, वे क्या प्राप्त करना चाहते हैं, की सार्थकता के प्रति एक नवीन दृष्टिकोण और गहन अंतर्दृष्टि के साथ प्रवेश करती है। समाज-निर्माण की शक्ति निर्मुक्त करने के प्रकाश में देखे जाने पर कार्य कितने अलग से दिखते

हैं! यह व्यापक संभावना एक सतत चलती गतिविधि को सेवा के एक अकेले कार्य या मात्र आंकड़ों से कहीं अधिक देखने की अनुमति देती है। जगह-जगह पर की जा रही पहलों से पता चलता है कि एक जन-समुदाय सीख रहा है कि अपने स्वयं के विकास के पथ पर आगे बढ़ने की बढ़ती जिम्मेदारी को कैसे उठाई जाए। परिणामी आध्यात्मिक और सामाजिक रूपांतरण लोगों के जीवन में अनेक प्रकार से प्रकट होता है। पिछली योजनाओं की शृंखला में इसे आध्यात्मिक शिक्षा और सामूहिक उपासना के प्रवर्तन के रूप में सर्वाधिक स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था। योजनाओं की इस नई श्रृंखला में, अन्य प्रक्रियाओं पर बढ़ते रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है जो एक समुदाय के जीवन को बेहतर करने का प्रयास करती हैं - उदाहरण के लिए, सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार करने, पर्यावरण की रक्षा करने, या कलाओं की शक्ति का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के द्वारा। एक समुदाय की भलाई के इन सभी पूरक पहलुओं को आगे बढ़ाने के लिए निश्चित रूप से आवश्यक है, इन सभी क्षेत्रों में व्यवस्थित सीख में संलग्न होने की क्षमता - एक क्षमता जो दैवीय शिक्षाओं और वैज्ञानिक जांच से उत्पन्न मानव ज्ञान के संचित भंडार से उत्पन्न होने वाली अंतर्दृष्टि को आकर्षित करती है। जैसे-जैसे यह क्षमता बढ़ेगी, आने वाले दशकों में बहुत कुछ प्राप्त किया जाएगा।

इस विस्तारित, समाज-निर्माण दृष्टि के दूरगामी निहितार्थ हैं। प्रत्येक समुदाय इसकी प्राप्ति के लिए अपने स्वयं के पथ पर है। किन्तु एक क्षेत्र की प्रगति में बहुधा दूसरे क्षेत्र की प्रगति के साथ समान विशेषताएँ होती हैं। एक विशेषता यह है कि, जैसे-जैसे क्षमताऐं बढ़ती है और एक स्थानीय या राष्ट्रीय समुदाय की शक्तियां गुणित होंगी, तब समय आने पर, हमारे रिजवान 2012 संदेश में वर्णित, एक मशरिकुल-अजकार के उद्भव के लिए आवश्यक शर्तें अंततः पूरी हो जाएंगी। जैसा कि हमने आपको पिछले रिजवान के अपने संदेश में निर्दिष्ट किया था, हम समय-समय पर उन स्थानों की पहचान करेंगे जहां एक बहाई मंदिर का निर्माण किया जाना है। हमें इस समय, कंचनपुर, नेपाल, और म्यूनिलुंगा, जाम्बिया में स्थानीय उपासना गृहों की स्थापना का आह्वान करते हुए प्रसन्नता हो रही है। इसके अतिरिक्त, हम कनाडा में टोरंटो में लंबे समय से स्थापित राष्ट्रीय हजरतुल-कुदस के समीप क्षेत्र में एक राष्ट्रीय उपासना गृह बनाने का आह्वान करते हैं। ये परियोजनाएँ, और भविष्य में शुरू की जाने वाली अन्य परियोजनाएँ, प्रत्येक भूमि में मित्रों द्वारा मंदिर-कोष को प्रदान की गई सहायता से लाभान्वित होंगी।

प्रचुर हैं वे आशीर्वाद जो एक परम-उदार स्वामी ने अपने प्रियजनों को प्रदान करने के लिए चुने हैं। बुलंद है आह्वान, भव्य हैं संभावनाएं। अल्प है समय जिसमें हम सभी का सेवा करने के लिए आह्वान किया गया है। भावोत्तेजित हैं वे प्रार्थनाएँ, जिनके द्वारा, आपकी ओर से और आपके अथक प्रयासों के लिए, बहाउल्लाह की दहलीज़ पर हम याचना करते हैं।

हस्ताक्षरित

विश्व न्याय मंदिर